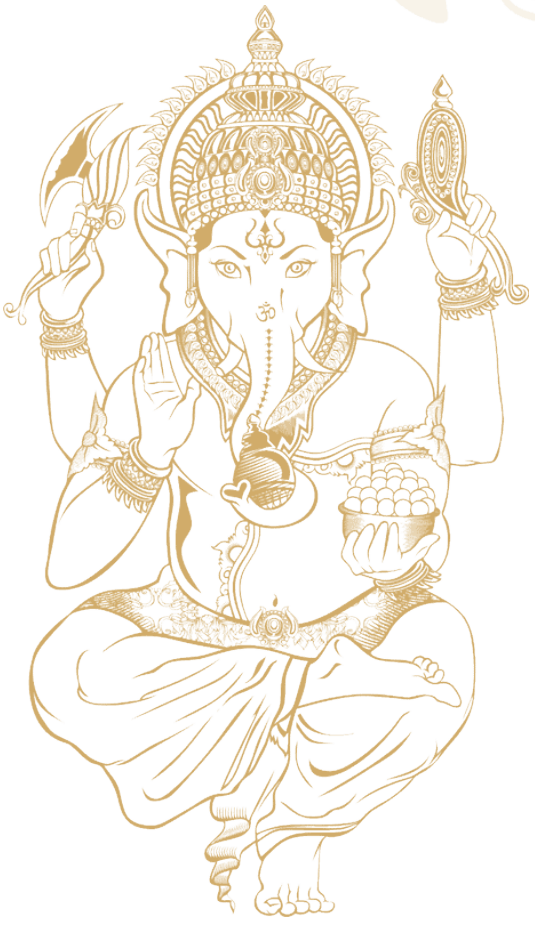

???

17 Oct 1997

10:30 PM

Delhi

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/10/1997**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**22:30:00 घंटे**
इष्ट	40:16:53 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:08:52 घंटे
वेलान्तर	00:14:38 घंटे
साम्पातिक काल	23:53:48 घंटे
सूर्योदय	06:23:14 घंटे
सूर्यास्त	17:49:30 घंटे
दिनमान	11:26:16 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	00:31:57 तुला
लग्न के अंश	17:04:27 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	सिद्धि
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ले-लेखपाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	17:04:27	317:23:40	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			तुला	00:31:57	00:59:32	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	नीच राशि
चंद्र			मेष	22:03:14	14:38:41	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	सम राशि
मंगल			वृश्चि	19:32:19	00:43:28	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	स्वराशि
बुध		अ	तुला	03:11:57	01:39:56	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			मक	18:25:03	00:01:53	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	नीच राशि
शुक्र			वृश्चि	16:30:46	01:05:26	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	सम राशि
शनि	व		मीन	22:29:29	00:04:40	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	सम राशि
राहु	व		सिंह	25:29:53	00:05:18	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	25:29:53	00:05:18	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			मक	10:54:58	00:00:10	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
नेप			मक	03:22:34	00:00:17	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	10:07:53	00:01:56	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	04:28:56	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:29

लग्न-चलित

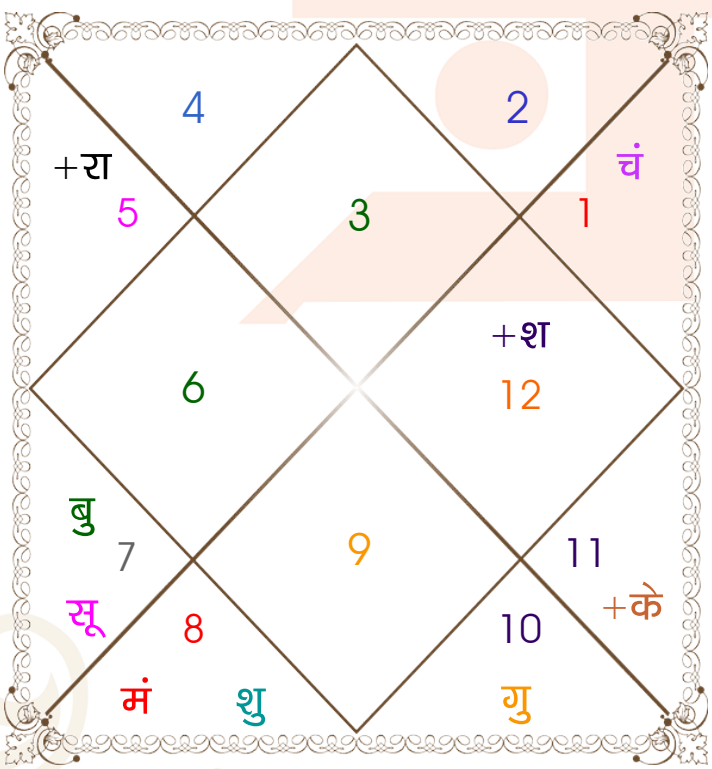

चन्द्र कुंडली

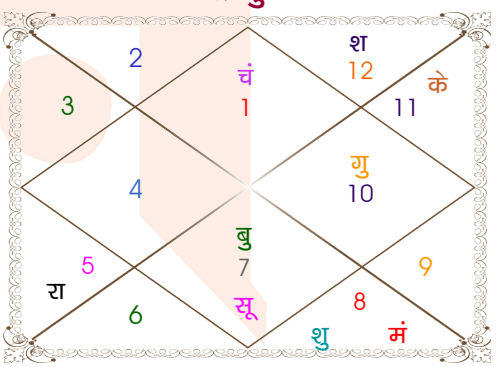

नवमांश कुंडली

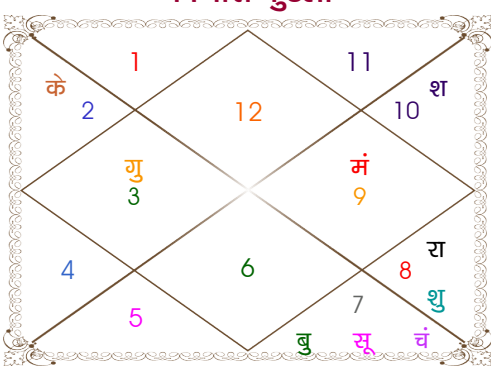

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 6 वर्ष 11 मास 0 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
17/10/1997		18/09/2004		18/09/2010		18/09/2020		18/09/2027	
18/09/2004		18/09/2010		18/09/2020		18/09/2027		18/09/2045	
	00/00/0000	सूर्य	05/01/2005	चंद्र	20/07/2011	मंगल	14/02/2021	राहु	01/06/2030
	00/00/0000	चंद्र	07/07/2005	मंगल	18/02/2012	राहु	04/03/2022	गुरु	24/10/2032
	00/00/0000	मंगल	12/11/2005	राहु	19/08/2013	गुरु	08/02/2023	शनि	31/08/2035
	00/00/0000	राहु	06/10/2006	गुरु	19/12/2014	शनि	19/03/2024	बुध	20/03/2038
	00/00/0000	गुरु	26/07/2007	शनि	19/07/2016	बुध	16/03/2025	केतु	07/04/2039
	17/10/1997	शनि	07/07/2008	बुध	18/12/2017	केतु	12/08/2025	शुक्र	07/04/2042
शनि	18/09/2000	बुध	13/05/2009	केतु	19/07/2018	शुक्र	13/10/2026	सूर्य	02/03/2043
बुध	20/07/2003	केतु	18/09/2009	शुक्र	19/03/2020	सूर्य	17/02/2027	चंद्र	30/08/2044
केतु	18/09/2004	शुक्र	18/09/2010	सूर्य	18/09/2020	चंद्र	18/09/2027	मंगल	18/09/2045

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
18/09/2045		18/09/2061		18/09/2080		18/09/2097		19/09/2104	
18/09/2061		18/09/2080		18/09/2097		19/09/2104		00/00/0000	
गुरु	06/11/2047	शनि	21/09/2064	बुध	14/02/2083	केतु	14/02/2098	शुक्र	19/01/2108
शनि	19/05/2050	बुध	01/06/2067	केतु	12/02/2084	शुक्र	16/04/2099	सूर्य	18/01/2109
बुध	24/08/2052	केतु	10/07/2068	शुक्र	12/12/2086	सूर्य	22/08/2099	चंद्र	19/09/2110
केतु	31/07/2053	शुक्र	09/09/2071	सूर्य	19/10/2087	चंद्र	23/03/2100	मंगल	19/11/2111
शुक्र	31/03/2056	सूर्य	21/08/2072	चंद्र	19/03/2089	मंगल	19/08/2100	राहु	19/11/2114
सूर्य	17/01/2057	चंद्र	23/03/2074	मंगल	17/03/2090	राहु	07/09/2101	गुरु	20/07/2117
चंद्र	19/05/2058	मंगल	01/05/2075	राहु	03/10/2092	गुरु	14/08/2102	शनि	18/10/2117
मंगल	25/04/2059	राहु	07/03/2078	गुरु	09/01/2095	शनि	22/09/2103		00/00/0000
राहु	18/09/2061	गुरु	18/09/2080	शनि	18/09/2097	बुध	19/09/2104		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 6 वर्ष 11 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।